[Shrimati Vidya Chennupati]

Singareni Collieries should be directed to make available the proper variety of coal and in adequate quantity and the railways should make arrangements to move that coal from the collieries for the use of the Andhra Cement Company and other cement factories in Andhra Pradesh.

(Interruptions) *

MR. DEPUTY-SPEAKER: I can only make a request with folded hands. This is not the way how we can conduct the deliberations of this House. Then we may become a laughing stock before the public.

(Interruptions) *

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.

(Interruptions) *

(iv) STEPS TO SOLVE DRINKING WATER SCARCITY IN BUNDELKHAND REGION OF UTTAR PRADESH

SHRI RAMNATH DUBEY (Banda): There is an acute scarcity of drinking water in a large number of villages in Bundelkhand region of Uttar Pradesh. Particularly during ensuing summer, steps taken by Government to meet the vital demand of the people for drinking water may be made known. The annual arrangements made by the Government are quite inadequate to solve the problem permanently. The sum of money, which the Government has earmarked for the purpose of utilisation to solve this problem of drinking water should be increased.

(Interruptions) *

MR. DEPUTY-SPEAKER: I can only request you with folded hands to allow the deliberations to continue.

*Not recorded.

(v) MEASURES TO ENSURE A CONTINUOUS REMUNERATIVE PRICE FOR PATATO GROWERS IN UTTAR PRADESH

श्री जयपाल सिंह कश्यप (आंवला) : उपाध्यक्ष महोदय, आज उत्तर प्रदेश व देश के अन्य राज्यों में आलू की पैदावार खेतों से निकल कर बाजार की ओर और कोल्ड स्टोरेज की ओर आने लगी है । आलू की फसल के प्रारम्भ में बाजार भाव लगभग 100 रु. क्विंटल था । परन्तु पिछले 2 सप्ताह से आलू की स्थिति बड़ी खराब हो गई है और बाजार में 25, 30 व 35 रु. क्विंटल हो गया है । कोल्ड स्टोरेज व अन्य भण्डारघरों ने आलू को अपने यहां रखने से इन्कार कर दिया है । इससे किसान का आलू या तो खेतों में पड़ा है या बाजारों में पड़ा है, लेकिन उसे बेचने की या रखने की सुविधा प्राप्त नहीं हो पा रही है । यदि आलू का तुरन्त ही बड़े स्तर पर निर्यात न किया गया तो किसान को अत्यधिक हानि उठानी पड़ेगी । कोल्ड स्टोरेज की क्षमता न बढ़ाई गई व भण्डार करने के स्थान सुनिश्चित न किये गये तो किसान को अत्यधिक क्षति उठानी पड़ेगी । आलू एक ऐसी फसल है जिसमें किसान बीज, खाद, पानी, मजदूरी और कीटनाशक दवाओं के छिड़काव पर अपना सर्वस्व लगा देता है । यहां तक कि कर्जा ले कर आलू की फसल तैयार करता है । सरकार को भविष्य के लिये भी आलू को अधिक निर्यात करने की व्यवस्था, सरकार द्वारा नये कोल्ड स्टोरेज बनाने की आवश्यकता के अनुसार व्यवस्था और आलू के आधार पर अनेक उद्योग धंधों को स्थापित करने की व्यवस्था करनी चाहिये ताकि आलू का सदुपयोग हो सके और किसान को सही मूल्य मिल सके ।